The Institute of Chartered Financial Analysts of India University, Jharkhand

**Press Release**

**01 मार्च 2021**

**रांची**

## इक्फ़ाई विश्वविद्यालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम एलुमनी मीट का आयोजन

आईयूजे एलुमनी मीट -2021 का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इक्फ़ाई विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया, जिसमें भारत और विदेश के विभिन्न स्थानों से पूर्व छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आयोजन में विश्वविद्यालय के छात्र और संकाय सदस्य भी शामिल हुए।

पूर्व छात्रों का स्वागत करते हुए, इक्फ़ाई विश्वविद्यालय, झारखंड के कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा, "हमें अपने पूर्व छात्रों पर गर्व है, जो एक्सेंचर, अमेज़ॅन, अमूल, बीपीसीएल, सीसीएल, कॉग्निज़ेंट, अन्र्स्ट एंड यंग, गूगल, एचडीएफसी बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी, टीसीएस, विप्रो आदि जैसे प्रतिष्ठित संगठनों में वरिष्ठ भूमिकाओं में काम कर रहे हैं। हमारे कई पूर्व छात्र उद्यमी बन गए हैं, जो एग्रीबिजनेस (ग्रोइंग मशरूम), कंस्ट्रक्शन, सीएडी सर्विसेज, एजुकेशन, आईटी सर्विसेज आदि क्षेत्रों में व्यवसाय स्थापित किए हैं। प्रोफ राव ने कहा की विश्वविद्यालय और पूर्व छात्रों के बीच संबंध को 3 तरीकों से बदला जा सकता है - प्रोफेशनल नेटवर्किंग और री-स्किलिंग के माध्यम से पूर्व छात्रों का व्यावसायिक विकास, अतिथि व्याख्यान, इंटर्नशिप आदि के माध्यम से हमारे छात्रों की रोजगार में वृद्धि तथा संयुक्त रूप से सोसायटी के लाभ के लिए सेवाएं लेना।

समारोह में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम, जिसमें पूर्व छात्रों द्वारा गाने और नृत्य शामिल थे, के अलावा, पूर्व छात्रों ने अपने छात्र जीवन और उनके कैरियर की यात्रा के यादों को साझा किया और वर्तमान छात्रों को कैरियर के अवसरों और कौशल के लिए व्यावहारिक सलाह दी। पूर्व छात्रों-उद्यमियों ने अपनी उद्यमी यात्रा और उसमें आने वाली चुनौतियों को भी साझा किया। सभी पूर्व छात्रों ने विश्वविद्यालय और उसके संकाय सदस्यों को उनके द्वारा उठाए गए शिक्षण और व्यक्तिगत देखभाल की गुणवत्ता के लिए आभार व्यक्त किया। इस मौके पर एक पैनल चर्चा का भी आयोजन हुआ जिसमें उद्योग-अकादमिक भागीदारी, इंटर्नशिप, प्लेसमेंट और सामाजिक आउटरीच जेसे विषय शामिल थे।

इस कार्यक्रम का समन्वय वरिष्ठ संकाय सदस्य डॉ। पृथा चतुर्वेदी, डॉ। रमना भट्टाचार्य, डॉ। बिजॉय गांगुली और डॉ। अभय सिन्हा ने किया। सुश्री आरती कुमारी (बीसीए स्टूडेंट) ने इस कार्यक्रम की संचालन की।

विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार, प्रोफेसर अरविंद कुमार ने एक वोट ऑफ़ थैंक्स का प्रस्ताव करते हुए पूर्व छात्रों और विश्वविद्यालय के बीच निरंतर आधार पर बातचीत को मजबूत करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

==========